

Sl. No. :

ناماंक

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--

No. of Questions - 20

SS-23-Sindhi Sah.

No. of Printed Pages - 11

Tear Here

उच्च माध्यमिक परीक्षा, 2025
SENIOR SECONDARY EXAMINATION - 2025
सिन्धी साहित्य
(SINDHI SAHITYA)
समय : 3 घण्टे 15 मिनट
पूर्णांक : 80

प्रश्न पत्र को खोलने के लिए यहाँ फाँड़ें
TEAR HERE TO OPEN THE QUESTION PAPER

- شاگردن لاء ضروري هدايتون -

- (1) شاگرد سڀ کان پهرين پنهنجي سوالی پيپر تي رول نمبر ضرور لکهن .
- (2) سڀئي سوال ڪرڻ ضروري آهن .
- (3) هر هڪ سوال جو جواب ڏنل جوابي ڪاپي ۾ لکڻو آهي .
- (4) سوالن جا جواب ڪنبدانوساء لکو .
- (5) سوال جو جواب لکڻ کان اڳ سوال جو نمبر ضرور لکو .
- (6) سوالن جي سامهون مارڪون ڏنل آهن .

- शार्गिदिनि लाइ ज़रूरी हिदायतू -

- (1) शार्गिद सभ खां पहिरीं पंहिंजे सुवाली पेपर ते रोल नंबर ज़रूर लिखनि ।
- (2) सभेई सुवाल करणु ज़रूरी आहिनि ।
- (3) हरहिक सुवाल जो जवाबु, डिनल जवाबी कॉपीअ में लिखिणो आहे ।
- (4) सुवालनि जा जवाब खण्ड अनुसार लिखो ।
- (5) सुवाल जो जवाबु लिखण खां अगु सुवाल जो नंबर ज़रूर लिखो ।
- (6) सुवालनि जे साम्हूं मार्कू डिनल आहिनि ।

यहाँ से काटिए

SS-23-Sindhi Sah.

7019

[Turn over

(i to xviii) هيٺين سوالن جا صحيح جواب چونڊيو۔

(i) حیرامداس ناراینداس ملکا دُئی کی خط کتان لکيو۔

(۱) ممبئی (ب) شلنگ

(س) دِلِي (د) گجرات

(ii) ،، سسيون سو هجن ته لاهي هوند ڏيان.،، هي لفظ چيا آهن

(ا) پیجمل (ب) سورٹ

(س) رائیہ ذیاج (د) انیرائہ

(iii) ,مهفوظ، لفظ جي معني آهي۔

(أ) شروح (ب) منھوس

(س) مہان (د) سرکشت

(iv) ڈاھر سين جيئتي مدهاي ويندي آهي۔

(ا) 25 اگست (ب) 16 جون

(س) 11 نومبر (د) 26 اپریل

(v) , قدرت سان قرب، مضمون آهي۔

(أ) اشوري جوتواطي (ب) پویتی هیراندائی

(س) کملہ گوگلا ٹی (د) ہری ہمتی

(vi) نندلال پرسرامائی جي ڪهاڻي آهي۔

(ا) روشنی جو سو داگر (ب) ہک پتیوورھاگو

(س) ع۔۔۔۔۔ اجا۔۔۔۔۔ چو (د) مہمدرام

(vii) هجر، لفظ جي معنيٰ آهي۔

(ا) ہزاب (ب) ہیر

(س) سرگ (د) جداي

(viii) لوڻاڻيو سمنڊ مان مٽڙ وارت پائبو، ست ۾ ڪوي جون نظريو آهي

(أ) اتم نریرتا (ب) آشا وادي

(س) نراشاوادي (د) ديش پښتې

(ix) هلو، کوتا ذريئي کوي ٿي رير ٺاڏني آهي۔

(ا) کرم کرڻ (ب) پريڻ کي پائڻ

(س) دہشت فہلائی (د) زندگی گزار

- (x) نارايڻ شيام جي رچنا آهي۔
 (ا) سڌوساگر (ب) واجهائي تڏس
 (س) تصويرون (د) ڪلجڳ
- (xi) ڪيمن مولاڻي جي ڪوٽام سوداگر واپار ڪري ٿو۔
 (ا) مال جو (ب) لاشن جو
 (س) ڌرم جو (د) پيار جو
- (xii) ڪملا گوڪلاڻي نظم جي۔۔۔۔۔ صنف ۾ ديش جي مهماءَ ٻڌاي آهي
 (ا) تسيتا (ب) دوها
 (س) غزل (د) پنجڪڙا
- (xiii) ڳال هيٺ جوڳو ٿرو، اصطلاح جي معنيٰ آهي۔
 (ا) گهڻ ڳال ٿو (ب) مهنتي
 (س) بو جهوڪڻ (د) گهري جانچ ڪرڻ
- (xiv) پاڻ تي پاڙڻ، لاءِ صحيح پهاڪو آهي۔
 (ا) باهه لڳڻ تي ڪوهه ڪوٽڻ (ب) اپني گهوت تہ نشا هووي
 (س) جوڌري ڳڏهر رکپال (د) سڀ ڪوئيئي جويار
- (xv) دوهي جي پهرين ۽ ٽين چرڻ ۾ ماتراون ٿينديون آهن۔
 (ا) 11-11 (ب) 13-11
 (س) 13-13 (د) 11-13
- (xvi) هائيڪو ۾ ستون ٿينديون آهن۔
 (ا) ٻ (ب) چار
 (س) پنج (د) ٽي
- (xvii) دوست کي جنمڏينهن تي گهرائڻ بابت لکندا
 (ا) درخواست (ب) شڪايتي خط
 (س) پرچاڻي خط (د) نيديريو خط
- (xviii) ايڪتا جو اوتار جهوليلال، مضمون آهي۔
 (ا) آرٽڪل (ب) ڌارمڪ
 (س) سياسي (د) راجنيتڪ

खण्ड - 'अ'

1. (i खां xviii) हेठियनि सुवालनि जा सही जवाब चूडियो -

[18 × 1 = 18]

- i) जैरामदास नारायणदास मल्काणीअ खे खतु किथां लिखियो-
 (अ) मुम्बई (ब) शिलांग
 (स) दिल्ली (द) गुजरात
- ii) “सिसियूं सौ हुजनि त लाहे हूंद डियां ।” हीअ लफ़्ज चया आहिनि -
 (अ) बीजल (ब) सोरठ
 (स) राय डियाच (द) अनीराइ
- iii) ‘महफूज’ लफ़्ज जी माना आहे -
 (अ) शुरू (ब) मनहूस
 (स) महान (द) सूरक्षित
- iv) डाहरसेन जयंती मल्हाई वेंदी आहे -
 (अ) 25 अगस्त (ब) 16 जून
 (स) 11 नवम्बर (द) 26 अप्रेल
- v) ‘कुदरत सां कुर्बु’ मज़मून आहे -
 (अ) ईश्वरी जोतवाणी (ब) पोपटी हीरानन्दाणी
 (स) कमला गोकलाणी (द) हरी हिमयाणी
- vi) नंदलाल परसरामाणी जी कहाणी आहे -
 (अ) रोशिनीअ जो सौदागरू (ब) हिक बियो विरहाडो
 (स) ऐं.अजां. छो (द) मुहमद राम
- vii) ‘हिज्र’ लफ़्ज जी माना आहे -
 (अ) हिज़ाब (ब) हेर
 (स) सुर्ग (द) जुदाई
- viii) ‘लूणाठियो समुंडु मां मिठिडो अमृत पाइबो’ सिट में कवीअ जो नज़रियो आहे -
 (अ) आत्मनिर्भरता (ब) आशावादी
 (स) निराशावादी (द) देश भगिती
- ix) ‘हलो’ कविता जरीए कवीअ प्रेरणा डिनी आहे -
 (अ) कर्म करण (ब) पिरिंअ खे पाइण
 (स) दहशत फहिलाइणु (द) ज़िंदगी गुज़ारण
- x) नारायण श्याम जी रचना आहे -
 (अ) सिंधु सागर (ब) वाझाए त ड़िमु
 (स) तस्वीरू (द) कलजुग

- xi) खीमन मूलानी जी कविता में सौदागरू वापार करे थो -
 (अ) माल जो (ब) लाशनि जो
 (स) धर्म जो (द) प्यार जो
- xii) कमला गोकलाणी नज़्म जी सिंफ में देश जी महिमा बुधाई आहे ।
 (अ) टिसिटा (ब) दोहा
 (स) गज़ल (द) पंजकड़ा
- xiii) 'गाल्हियुनि जो गोयरो' इस्तलाह जी माना आहे -
 (अ) घण गाल्हाऊ (ब) महिनती
 (स) बोझो खणणु (द) गहिरी जांच करणु
- xiv) 'पाण ते भाड़णु' लाइ सही पहाको आहे -
 (अ) बाहि लगण ते खूह खोटण (ब) अपनी घोट त नशा होवे
 (स) जव ढेरी गडुहु रखपालु (द) सभु को बीठे जो यारू
- xv) दोहे जे पहिरिएं ऐ टिएं चरण में मात्राऊं थीदियूं आहिनि -
 (अ) 11 - 11 (ब) 11 - 13
 (स) 13 - 13 (द) 13 - 11
- xvi) हाइकू में सिटूं थीदियूं आहिनि-
 (अ) ब्र (ब) चार
 (स) पंज (द) टे
- xvii) दोस्त खे जनम डीहं ते घुराड़ण बाबति लिखंदा -
 (अ) दरखास्त (ब) शिकायती खतु
 (स) परिचाणी खतु (द) नीडं भरियो खतु
- xviii) 'एकता जो अवतार झूलेलाल' मज़मून आहे -
 (अ) आर्थिक (ब) धार्मिक
 (स) सियासी (द) राजनैतिक

[6 × 1 = 6]

(i to vi) صحیح لفظ چونڊي خال ڀريو۔

.2

(ستار، ٿانورداس، منارو، سادي، نوڙت، ايامن)

(i) فقيرتوهاجي گهڙي ته _____ کان هيڪڙاي هنديني آهي

(ii) عورت ڪيتري نه _____ آهي.

(iii) داداجن جي جنم جونالو _____ هو.

(iv) سائين لڳ _____ اميت مندايون منهنجون.

(v) ڪايا ڪوت ڪچو، آهي _____ مٽي جو.

(vi) نيٺ _____ ساڻ ڪٺ، تنهن ساتي لنولاءِ ته ڏس

2. (i ڦا vi) سڀي لڦڙڙ چڙڙ ڦال ٻريو -

[6 × 1 = 6]

(سٽار، ٿانورڊاس، مونارو، سادي، نيويٽ، اياماني)

- i) فڪير تڙانڙي ڳڙي ت ڦا هڪڙي ڙ هڻي ٻيڙي آهي .
- ii) اورٽ ڪيٽري ن آهي .
- iii) ڊاڊا ڙني ڙي ڙنم ڙو نالو هو .
- iv) سانڙا لڱ مٽي منڊاڙن منڙينڙن .
- v) ڪايا ڪوٽو ڪڇو، آهي مٽيڙا ڙو .
- vi) نون ساڱو ڦڱو، تهي ساڱو لين لاه ت ڏيسو .

3. (i to xii) هيٺين سوالن ڙا ڙواب هڪ سٽ ۾ لڪو-

- [1] (i) ليڪڪا ڙو نڙبو ڪيئن ڪامياب ٿيو؟
- [1] (ii) روشنيءَ جو سوڊاگر ڪير هو؟
- [1] (iii) ليڪڪا ڊاڊا ٿي . ايل واسوئيءَ ڪي ڪنهنجو روپ مڃيو آهي؟
- [1] (iv) ڪاڪوايشور ڪلٽي ڪٿي رهندو هو؟
- [1] (v) شاعر سوڊاگر ڪي ڪهڙي هدايت ڪئي آهي؟
- [1] (vi) ڀارت ڪي ڪير سنوارن ٿا؟
- [1] (vii) سنڌي سنڌي ٿرم شاعر ڇا ڙو بيان ڪيو آهي؟

* هيٺ ڏنل ٽڪرو پڙهي سوالن ڙا ڙواب لڪو-

ساهتيءَ ۽ سماج جو پاڻ ۾ ڳهاٽو شمنڊ آهي . ساهتيءَ سماج ڪي ۽ سماج ساهتيءَ ڪي متاڪنڊو رهي ٿو . ساهتيءَ سماج ڙي ڙاڳرتا ۾ ساهه ڪئي ٿو . ساهتيءَ سماج جو اهو وسٽر آهي جيڪو ڙنتا ڙي ڙيون ڙي سڪ - ڊڪ، خوشي ۽ غم ، ڪماليت ۽ ڙواليت ڙي ٽاڙي پيئي سان اوڻيو وڃي ٿو . اهو ساهتيءَ ڙنتا ڙي ڙيون ڙي وياڪيا ڪري ٿو . اهوئي سبب آهي ڙو ان ۾ ڙيون ڏيڻ ڙي طاقت اڇي ٿي . هوانسان ڙي سببان ٿي زندهه آهي ، انهيءَ ڪري اهو انسان ڙي ڇوگرڊفري ٿو . ساهتيءَ انهيءَ انسان ڙي آزمودن، اڏمن، ڀاونائن ۽ ڪلائن جو ساڪيات روپ آهي . انسان وري ساماڙڪ پراڻي آهي ڙتي هو ساماڙڪ مسئلن، ويچارن ۽ ڀاوناون جو سرڙڻهار آهي، اُتي هوانهن ڪان، خود به متاڪر ٿيئي ٿو انهيءَ اڪر جو ڇٽوروپ ساهتيءَ آهي . انهيءَ ڪرين وڊوانن ساهتيءَ ڪي سماج جو آئينو ڇيو آهي . سني ساهتيءَ سان اي اسانڙي ڊل وڏي ۽ من شڏ ڏئي ٿو . انسان ڙون ڀاو ناٿون ڪومل بڻجن ٿيون، سڀيتا ۽ فضيلت اڇي ٿي . انڪري سماج ۽ ساهتيءَ ڙي اهميت آهي .

- (viii) مٿئين ٿڪري جو سرو لڪو. [1]
- (ix) ساهتيه ۽ سماج جو پاڻ ۾ ڪهڙو سمبند آهي؟ [1]
- (x) ساهتيه ڪنهنجو روپ آهي؟ [1]
- (xi) ودوانن ساهتيه کي ڇا چيو آهي؟ [1]
- (xii) شذ، لفظ جو ضد لڪو [1]

3. (i खां xii) हेठियनि सुवालनि जा जवाब हिक सिट में लिखो -

- | | | |
|------|---|-----|
| i) | लेखिका जो तजुबो कींअं काम्याबु थियो? | [1] |
| ii) | रोशिनीअ जो सौदागरू केरू हो? | [1] |
| iii) | लेखक दादा टी.एल. वासवाणीअ खे कंहिंजो रूप मजियो आहे? | [1] |
| iv) | काको ईश्वर खिलनाणी किथे रहंदो हो? | [1] |
| v) | शाइर सौदागर खे कहिडी हिदायत कई आहे? | [1] |
| vi) | भारत खे केरू संवारिनि था? | [1] |
| vii) | ‘सिंधु ऐं सिंधी’ शइर में शाइर छा जो बयानु कयो आहे? | [1] |

* हेठि ङिनल टुकिरो पढी सुवालनि जा जवाब लिखो -

साहित्य ऐं समाज जो पाण में घाटो सम्बन्धु आहे । साहित्य समाज खे ऐं समाज साहित्य खे मुतासिर कदों रहे थो । साहित्य समाज जी जागुरता में साहु खणे थो । साहित्य समाज जो उहो वस्त्र आहे जेको जनता जे जीवन जे सुख दुख, खुशी ऐं गम, कमालियत ऐं ज़वालियत जे ताजी पेटे सां उणियो वजे थो । इहो साहित्य जनता जे जीवन जी व्याख्या करे थो । इहो ई सबबु आहे जो उन में जीवन ड्रियण जी ताकत अचे थी । हू इन्सान सबबां ई ज़िंदह आहे, उन्हीअ करे उहो इंसान जे चौगिर्द फिरे थो। साहित्य उन्हीअ इंसान जे आजमूदन, उद्यमनि, भावनाउनि ऐं कलाउनि जो साख्यातु रूप आहे । इंसान वरी सामाजिक प्राणी आहे जिते हू सामाजिक मसहलनि, वीचारनि ऐं भावनाउनि जो सिरजणहार आहे उते हू उन्हनि खां खुदि बि मूतासिर थिए थो इन्हीअ असर जो चिटो रूप साहित्य आहे । इन्हीअ करे विद्ववाननि साहित्य खे समाज जो आइनों चयो आहे । सुठे साहित्य सां ई असांजी दिल वड्डी ऐं मन शुद्ध थिए थो । इंसान जूं भावनाऊं कोमल बणजनि थियूं, सभ्यता ऐं फ़ज़ीलत अचे थी इनकरे समाज ऐं सहित्य जी अहिमयत आहे ।

- | | | |
|-------|--|-----|
| viii) | मथिएं टुकिरे जो सिरा लिखो । | [1] |
| ix) | साहित्य ऐं समाज जो पाण में कहिड़ो सम्बंधु आहे? | [1] |
| x) | साहित्य कंहिंजो रूप आहे? | [1] |
| xi) | विद्ववाननि साहित्य खे छा चयो आहे? | [1] |
| xii) | शुद्ध लफ़्ज़ जो ज़िद लिखो । | [1] |

[10 × 2 = 20]

(4-13) ھینین سوالن جا جواب آٹکل 50 لفظن ۾ ڏيو.

(4 खां 13) हेठियनि सुवालनि जा जवाब अटिकल 50 लफ़ज़नि में ड़ियो —

[10 × 2 = 20]

4. راجا راءِ ڏياچ سنگيت تي پنهنجو سر کيٽ قربان ڪيو؟
4. راجا راڌ ڏياچ संगीत ते पंहिंजो सिर कीअं कुर्बान कयो?
5. قدرت ڪهڙي۔ ڪهڙي روپ ۾ اسانکي ڪلائڻ چاهي ٿي؟
5. कुदरत कहिड़े कहिड़े रूप में असांखे खिलाड़णु चाहे थी?
6. جذبو، ايکانڪيءَ ۾ اسان کي ڇاجي جهلڪ ملي ٿي؟
6. जज़्बो एकांकीअ में असां खे छा जी झलक मिले थी?
7. پري، ڪهاڻيءَ جو سار پنهنجن لفظن ۾ لکو.
7. ‘परी’ कहाणीअ जो सारू पंहिंजन लफ़्जनि में लिखो।
8. شاه عبدال لتيف سر ليلا چنيسر ۾ ڪهڙي سمجھلي ڏني آهي؟
8. शाह अब्दुल लतीफ़ ‘सुर लीला चनेसर’ में कहिड़ी समझाणी डिनी आहे?
9. دڪايل پنهنجو جيون ديش سيوا ۾ ڪيئن اڀت ڪري ڇڏيو؟
9. दुखायल पंहिंजो जीवन देश सेवा में कीअ अर्पित करे छडियो?
10. سنڌو ساگر، کوٽا جو مکيه ادشيه ڪهڙو آهي؟
10. ‘सिंधु सागर’ कविता जो मुख्य उदेश्य कहिड़ो आहे?
11. موهن کنهن وٺ نو ڪري ڪندو هو ڪس نو ڪري چوڄڻي پي؟
11. मोहन कंहि वटि नौकरी कंदो हो खेसि नौकरी छो छडिणी पेई?
12. الهاس نگر ڪي سندونگر چوچوند آهن؟
12. उल्हासनगर खे सिंधु नगर छो चवंदा आहिनि?
13. مڪيش پاڻ ڪي موهن اڳيان تڇ ۽ ويچار وجوسمجهڻ لڳو؟
13. मुकेश पाण खे मोहन अगिया तुच्छ ऐ वेचारो छो समझण लग्नो?

ڪنڊ (س)

खण्ड - 'स'

14. حوالو سمجهايو۔ [3]

،، ڪاڪا ساني توهان جي آتما ڇاڻي چوي ،،؟
يا
،، دادا! توهان اي منهنجا مائپڪي آهيو، ڪنهن وٽ وڃا،؟

14. هـوالو سمجهايو -

[3]

“ڪاڪا ساڻي تـڙاڻا جـي آاتما آا تـي آـڀـي”

يا

“دادا ! تـڙاڻا اڻ مـڙاڻا مااا ڀااا آاااا، ڪـڙاڻا وارااا جـااا؟”

15. معنيٰ سمجهايو۔ [3]

مڇي وڃڻ وٽ ويو جنسي ٻائيتال،
هرهڪ هند جو لال، ٿيهه ماري پوءِ ٿوري .،
يا

وطن ويو جن هٿان، ناهي تن آرام،
ڪڏهن وسري ڪين ڪين ڪنهن کان پنهنجو گام،
نديون هن به جام، پرسندوة ۾ ڪوساهه ٿن، .

15. مانا سمجهايو -

[3]

“مڇي وڃي وٽ ويو جنسي ٻائيتال
هرهڪ هند جو لال، ٿيهه ماري پوءِ ٿوري .”

يا

“وطن ويو جن هٿان، ناهي تن آرام،
ڪڏهن وسري ڪين ڪين ڪنهن کان پنهنجو گام،
نديون هن به جام، پرسندوة ۾ ڪوساهه ٿن، .”

16. سونرو چاڪي چئبو آهي؟ مثال ڏيئي سمجهايو. [3]
- يا
پنجڪڙو چاڪي چئبو آهي؟

16. سورتو ڇا ڪه چڙبو آهي؟ ميسال ڏيئي سمجهايو. [3]
- يا
پنجڪڙو ڇا ڪه چڙبو آهي؟

17. هينين ماڪن به ٿن اصطلاحن / پهڪن جي معنيٰ لڪي جملي ۾ ڪم آيو. [3]

(i) ٻا ڪرڪو مچڻ

(ii) چو هو چنڊڻ

(iii) پٺ ورائي ڏسڻ

(iv) اڳيان باهه پٺيان پاڻي

(v) جهڙو لڳي واوتهڙي ڏجي پٺا،

(vi) ٺريل ڪير ڪي فوڪون ڏيڻ

17. هيتياني ماڻ ڪيني بي ٽيني اِستلاهن/پهاڪن جي مانا لئخي جوميله ۾ ڪمي آڻيئو - [3]

- i) براڪر ڪوٽو مچڻ
- ii) ڇوھ ڇنڊڻ
- iii) پوٽي وراڻ ڏيسڻ
- iv) اڱريا باهي پوٽيا پاڻي
- v) جيھڙو لڱو واٽ تھڙي ڏيئي پوٽي
- vi) ٽريئل ڪير ڪه فوڪ ڏيئي

ڪنڊ (د)
ڳاڙھ - 'د'

18. [4] اڃھو، ناول جي لکڪ ھري موٽوائيءَ جي مختصر واقفيت ڏيندي ناول جون خوليون لکو يا
 اڃھو، ناول جي ڪردار موھن جو چتر چتر ڪيو
 18. [4] 'اڃھو' ناول جي لکڪ ھري موٽوائيءَ جي مختصر واقفيت ڏيندي ناول جون خوليون لکو يا
 'اڃھو' ناول جي ڪردار موھن جو چتر چتر ڪيو
 19. [4] توهان پنهنجي پرنسپال کي انٽر اسڪول ڪلڊ جي راند چٽاڀيٽي ڪرائڻ بابت درخواست لکو.
 يا
 توهان پنهنجي پڪيءَ کي هاسٽل جي باري ۾ ڄاڻ ڏيندي خط لکو.
 19. [4] توهان پنهنجي پڪيءَ کي هاسٽل جي باري ۾ ڄاڻ ڏيندي خط لکو.
 يا
 توهان پنهنجي پڪيءَ کي هاسٽل جي باري ۾ ڄاڻ ڏيندي خط لکو.
 20. [4] ڪنهن به هڪ وڏي ٽي اٽڪل 200 لفظن ۾ مضمون لکو۔
 (i) منهنجو من پسند شاعر.
 (ii) سنڌي ساهتيه جي اهميت.
 (iii) سائبر ڪرائم.
 (iv) پرياورڻ پرڏوشت ۽ روڪڻ جا اُپاءَ.
 20. [4] ڪنهن به هڪ وڏي ٽي اٽڪل 200 لفظن ۾ مضمون لکو۔
 i) منهنجو من پسند شاعر
 ii) سنڌي ساهتيه جي اهميت
 iii) سائبر ڪرائم
 iv) پرياورڻ پرڏوشت ۽ روڪڻ جا اُپاءَ



DO NOT WRITE ANYTHING HERE